

10886

T-11998

33



30/4/2010 को श्री/श्रीमती चनरी देवी पति स्व० होरिल राय, जाति यादव, पेशा गृहिणी, निवासी ग्राम मोहम्मदपुर बुजुर्ग, प्रगना विसारा, एलाके थाना-सकरा, उप निबंधन कार्यालय सकरा, मुंसिफी एवं जिला- मुजफ्फरपुर, भारतीय।

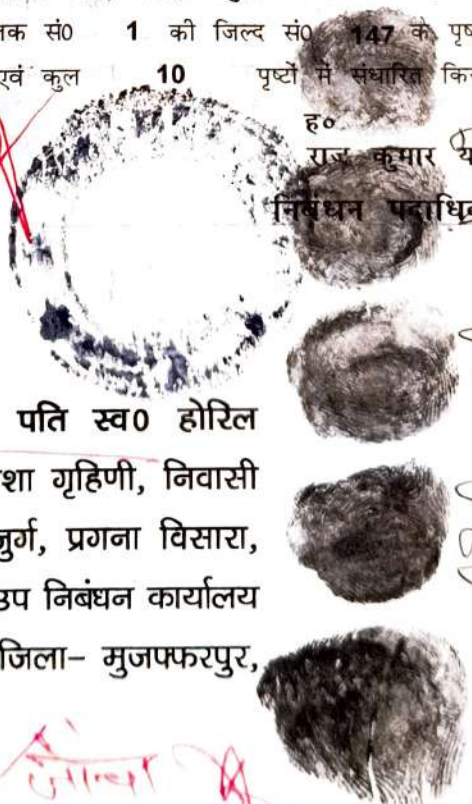


बिहार सरकार
जिला निबंधन कार्यालय, मुजफ्फरपुर

199
50-4

दिनांक 30/04/2010 को श्री/श्रीमती चनरी देवी द्वारा यह दस्तावेज निबंधन हेतु उपस्थापित किया गया। इसमें रु० 10800/- मुद्रांक शुल्क एवं रु० 4436/- निबंधन तथा अन्य शुल्क का भुगतान किया गया। दस्तावेज ग्राह्य पाया गया। जिन लेख्यकारियों के निष्पादन स्वीकार किया उनके तथा उनके पहचानकर्ता के नाम, फोटो, अंगुलियों के निशान एवं हस्ताक्षर है। इसे दस्तावेज सं० 10886 के रूप में पुस्तक सं० 1 की जिल्द सं० 147 के पृष्ठ सं० 302 तक CD 45 में आज निबंधित एवं कुल 10 पृष्ठों में संधारित किया गया।

दिनांक 30/04/2010



राज कुमार यादव
निबंधन पदाधिकारी

1. नाम लेख्यकारी:- मुस्मात चनरी देवी पति स्व० होरिल राय, जाति यादव, पेशा गृहिणी, निवासी ग्राम मोहम्मदपुर बुजुर्ग, प्रगना विसारा, एलाके थाना-सकरा, उप निबंधन कार्यालय सकरा, मुंसिफी एवं जिला- मुजफ्फरपुर, भारतीय।

Handwritten signatures and stamps in red ink at the bottom of the page.

Vertical handwritten notes on the right side of the page, including 'मो 920000' and '30/8/90'.

Serial No. _____ Deed No. _____ of 2010
 Token No. 11998 Name of Party _____
 Type & Status of Party _____

Photo Thumb Index Middle Ring

In Favour of Manoj Kumar Singh
 1221 श्री महेश राय महेश महेश 21/2
 032/10 श्री मिशान मेरे सामान कमी

Signature of Party सखी प्रदीप कुमार सिंह 30.4.10

In Favour of Uma Shankar Ray
 1221

Signature of Party स.डा उमा प्रकाश राय ता. 30.4.10.

Presented by Self Chanari Devi 1223
 032/10

Executed by Chanari Devi
 सखी सु० चणारी देवी दा: महेश राय
 30/8/190

Identifier Signature of Party Mahesh Ray 1224
 032/10

Signature of Party श्री महेश राय पिता हरिहर राय
 30/8/190

2. नाम लेख्यधारी :-

वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज
(Basundhara Teacher's
Training College), जो नौर्य
बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट के द्वारा
संचालित है, द्वारा अध्यक्ष, (1)
डा० उमा शंकर राय पिता श्री
देव नारायण राय जीवित, जाति
भूमिहार-ब्राहमण, पेशा डॉक्टरी,
निवासी मुहल्ला अंगद अपार्टमेन्ट
(504) जी०डी० मिश्रा पथ, न्यू
पाटलीपुत्रा कॉलोनी (पटना), एलाके
थाना पाटलीपुत्रा, जिला-पटना एवं
सचिव, (2) श्री मनोज कुमार
सिंह पिता श्री शिव सागर सिंह
जीवित, जाति राजपुत, पेशा व्यवसाय,
निवासी मुहल्ला अंगद अपार्टमेन्ट
(404) जी०डी० मिश्रा पथ, न्यू
पाटलीपुत्रा कॉलोनी (पटना), एलाके
थाना पाटलीपुत्रा, जिला-पटना,
भारतीय।

3. लेख्य प्रकार

4. भूमि का मूल्य

:- निर्विवाद विक्रय पत्र।

:- अंकेन मो० 1,80,000/- (एक लाख
अस्सी हजार रुपया मात्र) जिसका
आधा मो० 90,000/- (नब्बे हजार
रुपया) होता है।

सही मु० चमरी देवी वा० मेहरा २१५
३३३
३०/४/१०



हरिहरराय
सकरा जिला मुजफ्फरपुर



पिता श्री शिव सागर सिंह
पति श्री मनोज कुमार सिंह
पत्नी श्री उमा शंकर राय
३०/४/१०

5. लेख्य संपत्ति का विवरण- मवाजी 29 डी0 (उन्तीस डी0) भूमि जो अन्तर्गत राजस्व ग्राम सिलौत विशुनपुर जयनारायण, प्रगना विसाय, एलाके थाना मनियारी, निबंधन कार्यालय एवं मुंशिफी एवं जिला मुजफ्फरपुर अंदर पट्टी बिहार सरकार अंचल-कुट्टनी (तुर्की), थाना नं0-442 (चार सौ बेयालिस), सीट नं0-1 (एक), भूमि का प्रकार आवासीय भूमि खाली है इस पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं है।

सही म० खसरी देवी का.महेराम
335
20/8/90



खाता खेसरा
सर्वे सर्वे
99 924
निनानवे नौ सौ
चौबीस

चौहद्दी

- 30- हबीब मियां वो विश्वनाथ मिश्र वगैरह
- 40- राज नारायण मिश्र वगैरह
- 50- विश्वनाथ मिश्र वो रामाकान्त मिश्र वगैरह
- 60- विश्वनाथ मिश्र वो शिव कुमार मिश्र वगैरह

चक क्रमांक-103 (एक सौ तीन)
चक खेसरा-635मी0 (छः सौ पैतिस)
मवाजी 29 डी0 (उन्तीस डी0) हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।

लगान मय शेष मो0 6/- (छः) रुपया।

20/8/90
20/8/90
20/8/90
20/8/90

लेख्यसंदर्भ

विदित हो कि जायदाद मु० खाना सं०-5 लेख्यकारी की खरीदगी जायदाद है जो बजरिये खरीदगी केवाला म०ता० 01.04.1986ई० जिसका दस्तावेज नं०-6021, रजिस्ट्री मोकाम मुजफ्फरपुर नविस्ते श्री राजकुमार मिश्र पिता श्री बिकाऊ मिश्र बनाम होरिल राय पिता स्व० गुलम राय याने शौहर लेख्यकारी के नाम से खरीद है जिसपर बाद ममात शौहर लेख्यकारी के, लेख्यकारी बहैशियत वारिश जायज के काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल हुई वो चली आयी वो है।

यह कि लेख्यकारी को रुपयों की जरूरत वास्ते खरीदने दिगर जायदाद एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिये है। बिना उपरोक्त सम्पति को बिक्री किये रुपये का प्रबंध इस समय हो नहीं सकता है। इसलिए लेख्यकारी ने उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति को बिक्री करने का घोषणा किया वो कराया तो साथ लेख्यधारी से उपरोक्त सम्पति का मूल्य अंकेन मो० 1,80,000/- (एक लाख अस्सी हजार रुपया) मूल्य में बिक्री का दाम तय पा गया। इससे ज्यादा मूल्य देकर और कोई अन्य खरीदार उपरोक्त सम्पति को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुये वो न है तो लेख्यकारी ने साथ लेख्यधारी के विक्रय पत्र निबंधन कर देने में अपने आप को लाभ समझा।

अतएव लेख्यकारी अपने मानसिक तथा शारीरिक स्वस्थ अवस्था में रहकर बिना किसी बाहरी अनुचित दबाव वो धमकाव के अपने हानि-लाभ को पूर्ण ज्ञान सहित सौच विचारकर उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति को अंकेन मो० 1,80,000/- (एक लाख अस्सी हजार रुपया) मूल्य में साथ लेख्यधारी वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (Basundhara Teacher's Training College) जो नौर्य बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट (North Bihar Educational Trust) द्वारा संचालित है, को बिना कोई शर्त के निर्विवाद विक्रय पत्र लिखा वो किया वो बेचा वो विक्रय पत्र का निष्पादन स्वीकार किया।

यह कि मूल्य का कुल रुपया अंकेन मो० 1,80,000/- (एक लाख अस्सी हजार रुपया) लेख्यकारी ने लेख्यधारी से इस विक्रय पत्र पर अपना सही बनाने के समय नगद वसुल पाया। अब

श्री मु० खरीदगी केवाला म०ता० 01.04.1986
332

00/8/90



एक पैसा भी लेख्यकारी का बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा। चाहिए कि लेख्यधारी आज की तारीख से उपरोक्त सम्पति पर काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल होकर वो रहकर सम्पति को अपने जिस व्यवहार में चाहें लावेंगे या जो मर्जी चाहे सो करेंगे।

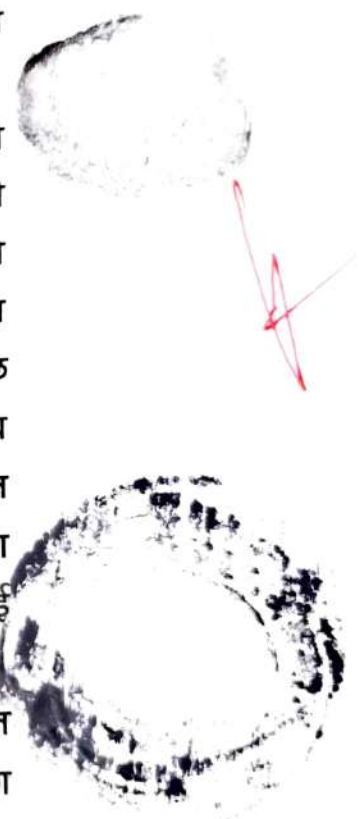
यह कि लेख्यकारी को उपरोक्त वर्णित विक्रय सम्पति में जो स्वामित्व वो अधिकार प्राप्त थी, वह सम्पूर्ण स्वामित्व वो अधिकार इस विक्रय पत्र के माध्यम से लेख्यधारी को प्राप्त हुआ। चाहिए कि लेख्यधारी नाम अपना ब शिरिस्ते जमीन्दारी बिहार सरकार या जहाँ-जहाँ ईन्द्राज नाम की जरूरत हो मुन्दर्ज कराकर ब अदाय मालगुजारी साल ब साल रसीद वो फारगखती बनाम खुद लेख्यधारी हासिल किया करेंगे। अब लेख्यकारी को किसी तरह का हक दावा तथा बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा।

यह कि लेख्यकारी ने लेख्यधारी को पूर्ण विश्वास वो भरोसा दिलाया है कि उपरोक्त जायदाद मु० खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति हर तरह के ऋणभार सरकारी और गैर-सरकारी वो अन्य व्यक्ति के हक हिसाब से मुक्त है। यदि बाद में पाया जायेगा जिसके वजह से खरीददार सम्पति के सम्पूर्ण भाग से अथवा कुछ भी अंश से बेदखल हो जाये तो क्षति के अनुसार क्षति का रकम मय हर्जा खर्चा तथा एक रुपया सैकड़ा माहवारी सुद लगाकर सूद समेत कुल कीमत लेख्यकारी के चल तथा अचल सम्पति से लेख्यधारी तथा उनके उत्तराधिकारी वसूल कर लेंगे। इसमें लेख्यकारी को कोई आपत्ति नहीं है वो न भविष्य में कभी होगा।

यह कि लेख्यधारी के द्वारा क्रय की गयी भूमि उक्त संस्थान की खास सम्पति होगी तथा सिर्फ संस्थान के ही उपयोग एवं उपभोग में जायेगी। वो यह भी वाजे रहे कि अगर उपर्युक्त संस्थान किसी कारण वश बंद हो जाता है या उपर्युक्त संस्थान का मान्यता रद्द हो जाता है तो ऐसी परिस्थिति में ट्रस्ट द्वारा किसी दूसरे संस्थान का संचालन किया जा सकता है।

इस वास्ते यह निर्विवाद विक्रय पत्र लिख दिया कि समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे।

337
30/8/20
मि. प्र. चन्दा देवी वा. महाराज



प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका छाया-चित्र दस्तावेज में लगा है जिसको मैंने अभिप्रमाणित किया है, वो उनके बाँये हाथ के अंगूलियों के निशान मेरे सामने में लिया गया है।

कातिब अमीर अली, ला0नं0-63/07 ई0।

सही मु० चमरी देवी वी० महेश
रा० ३०/४/१०



अमीर अली
कातिब ला० ६३/०७ ई०



स० उमा शंकर राय



मनोज कुमार सिंह
कातिब ला० ६३/०७ ई०



मनोज कुमार सिंह

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज द्वारा अन्तरित भूमि सरकारी भूमि, खास महाल, गैर मजरुआ आम, गैर मजरुआ खास, पर्चा से प्राप्त, भू-दान, कैसरे हिन्द, हिन्दु धार्मिक न्यास बोर्ड एवं वक्फ की भूमि नहीं है अन्तरित भूमि मेरी निजि सम्पत्ति है जो पूर्णतया विधि मान्य है इसमें किसी भी प्रकार की गलती के लिये सजा का भागी मैं होउगां ।

कातिब अमीर अली ला० ६३/०७ ई०
दस्तावेज में जो छवि है उसमें अंगुली के निशान का सही मु० चमरी देवी वी० महेश द्वारा स्वीकृत किया गया है।



हस्ताक्षर लेख्यकारी
सही मु० चमरी देवी
वा० महेश राय

हस्ताक्षर लेख्यधारी
स० उमा शंकर राय

तहरीर की तारीख- 30.04.2010 ई०।

मनोज कुमार सिंह

343

Endorsement of Certificate of Admissibility

Admissible under Rule 5 : duly stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No. 23. Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

Stamp duty paid under Indian Stamp Act	Rs.	10800	Amt. paid by N.J. Stamp Paper -	Rs. 5000						
Addl. Stamp duty paid under Municipal Act	Rs.	0	Amt. paid through Bank Challan -	Rs. 9936						
	Registration Fee			LLR + Process Fee						
FEE PAID	A1	3600 C	0 H1b	0 Ka1	0 Lii	0	LLR	250		
	A8	0 D	0 H2	0 K1b	0 Liii	0	Proc. Fee	50	200	
	A9	0 DD	0 I	0 K1c	0 Mb	0	Total-	300		
	A10	0 E	0 J1	0 K2	0 Na	36				
	B	0 H1a	0 J2	0 Li	0	0				
						TOTAL-		3636		
Total amount paid (Reg. fee+LLR, Proc+Service Charge) in Rs. .									4136	
Date : 30/04/2010										Registering Officer
										Muzaffarpur Sadar

Endorsement under section 52

Presented for registration at Registration Office, Muzaffarpur Sadar on Friday, 30th April 2010 by Chanari Devi s/o Horil Ray by profession House Wife. Status - Executant

सहायिका चनरी देवी का।
 महेश राय
 Signature / L.T.I. of Presentant
 Date: 30/04/2010
 राष्ट्रीय मुक्तता दिवस क-द, बिहार

Registering Officer
Muzaffarpur Sadar

Endorsement under section 58

Execution is admitted by those executants and identified by the person (identified by Mahesh Ray age Sex M son/daughter of Horil Ray resident of Mahmmadpur Bujurg Ps-Sakra,Muz..) whose names, photographs, fingerprints and signatures are affixed as such on back page / pages of the instrument.

Date .

Registering Officer
Muzaffarpur Sadar

Endorsement of Certificate of Registration under section 60

Registered in Book 1 of DSRO/ SRO Muzaffarpur having 10 pages, in the volume CD-45 and document no. of which is printed on the First Page of the document.

Date : 30/04/2010

Registering Officer
Registering Officer
Muzaffarpur Sadar
Muzaffarpur Sadar

Token No. 11888 Year-2010 Sl.No. 11836

SCORE No. 2.0

Deed No. 10886 NIC-Bihar

(Handwritten signature)
30/4

10888

T-1999
361

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000

Rs.1000



892 नं. 30-8-2010 के अंतर्गत 9000 रु. के दस्तावेज
श्री रामआधार गोस्वामी पिता मिश्री लाल गोस्वामी
मोहम्मदपुर बुजुर्ग, प्रगना विसारा, एलाके
थाना-सकरा, उप निबंधन कार्यालय सकरा,
मुंसिफी एवं जिला- मुजफ्फरपुर, बिहार

C 601534



9000 = 9000.00

बिहार सरकार

जिला निबंधन कार्यालय, मुजफ्फरपुर

130

30-4

दिनांक 30/04/2010 को श्री/श्रीमती राम आधार गोस्वामी द्वारा यह दस्तावेज निबंधन हेतु उपस्थापित किया गया। इसमें रु० 4800/- मुद्रांक शुल्क एवं निबंधन तथा अन्य शुल्क का भुगतान किया गया। दस्तावेज ग्राह्य पाया गया। जिन लेख्यकारियों ने निष्पादन स्वीकार किया उनके तथा उनके पहचानकर्ता के नाम, फोटो, अंगुलियों के निशान एवं हस्ताक्षर है इसे दस्तावेज सं० 10888 के रूप में पुस्तक सं० 322 तक CD 45 में आज निबंधित एवं कुल 10 पृष्ठों में अधारित किया गया।

✓ 208

2019

313

361
374

दिनांक 30/04/2010

निबंधन प्रदाधिकारी

- नाम लेख्यकारीगण:- (1) श्री रामआधार गोस्वामी वो (2) श्री भागवत गोस्वामी वो (3) श्री सुरेश गोस्वामी पिता स्व० मिश्री लाल गोस्वामी, जाति योगी, पेशा कास्तकारी, निवासी ग्राम मोहम्मदपुर बुजुर्ग, प्रगना विसारा, एलाके थाना-सकरा, उप निबंधन कार्यालय सकरा, मुंसिफी एवं जिला- मुजफ्फरपुर, भारतीय।



Handwritten signatures and notes in red ink at the bottom of the page.

Vertical handwritten notes on the right side of the page, including 'महीशराम आधार गोस्वामी' and 'अस्सी हजार रुपये'.

30/8/90

362






Serial No. Token No. Type & Status of Party	Date No. of 2010 Name of Party	Photo	Thumb	Index	Middle	Ring
--	--------------------------------------	-------	-------	-------	--------	------

In Favour of	<p>श्री श्री मनोज कुमार सिंह</p> <p>1225</p> <p><i>(Signature)</i></p>					
--------------	--	---	---	--	---	---

In Favour of	<p>श्री उमा शंकर राय</p> <p>1226</p> <p><i>(Signature)</i></p>					
--------------	--	---	---	--	---	---

Presented by Self	<p>श्री राम अधर गोस्वामी</p> <p>1227</p> <p><i>(Signature)</i></p>					
----------------------	--	---	---	--	---	---

Executed by	<p>श्री भगवत गोस्वामी</p> <p>1228</p> <p><i>(Signature)</i></p>					
-------------	---	---	---	--	---	---

Executed by	<p>श्री राम अधर गोस्वामी</p> <p>1229</p> <p><i>(Signature)</i></p>					
-------------	--	---	---	--	---	---

Executed by	<p>श्री सुरेश गोस्वामी</p> <p>1230</p> <p><i>(Signature)</i></p>					
-------------	--	---	---	--	---	---

Identifier	<p>श्री मदीम अंसारी</p> <p>1230</p> <p><i>(Signature)</i></p>					
------------	---	---	---	--	--	--

Signature of Party

श्री मदीम अंसारी

श्री मदीम इस्हाक अंसारी

3018190

363

2. नाम लेख्यधारी :-

वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (Basundhara Teacher's Training College), जो नौर्य बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट के द्वारा संचालित है, द्वारा अध्यक्ष, (1) डा० उमा शंकर राय पिता श्री देव नारायण राय जीवित, जाति भूमिहार-ब्राहमण, पेशा डॉक्टरी, निवासी मुहल्ला अंगद अपार्टमेन्ट, (504) जी०डी० मिश्रा पथ, न्यू पाटलीपुत्रा कॉलोनी (पटना), एलाके थाना पाटलीपुत्रा, जिला-पटना एवं सचिव, (2) श्री मनोज कुमार सिंह पिता श्री शिवसागर सिंह जीवित, जाति राजपुत, पेशा व्यवसाय, निवासी मुहल्ला अंगद अपार्टमेन्ट, (404) जी०डी० मिश्रा पथ, न्यू पाटलीपुत्रा कॉलोनी (पटना), एलाके थाना पाटलीपुत्रा, जिला-पटना, भारतीय।

सही भागवत जीवानी केवाला लिख

सजाइल पदंकर समग्र लिखा 30/8/90

3. लेख्य प्रकार :-

निर्विवाद विक्रय पत्र।

4. भूमि का मूल्य :-

अंकेन मो० 80,000/- (अस्सी हजार रुपया मात्र) जिसका आधा मो० 40,000/- (चालिस हजार रुपया) होता है।



5. लेख्य सम्पत्ति का विवरण- मवाजी 13 डी0 (तेरह डी0) भूमि जो अन्तर्गत राजस्व ग्राम सिलौत विशुनपुर जयनारायण, प्रगना विसारा, एलाके थाना मनियारी, निबंधन कार्यालय एवं मुंशिफी एवं जिला मुजफ्फरपुर अंदर पट्टी बिहार सरकार अंचल-कुड़नी (तुकी), थाना नं0-442 (चार सौ बेयालिस), सीट नं0-1 (एक), भूमि का प्रकार आवासीय भूमि खाली है इस पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं है।

365
 राजी सुरेश गोस्वामी केवला लिला
 मजदुर पट. क्र. 548/90

खाता सर्वे	खेसरा सर्वे	रकवा	चौहद्दी
99	929मी0	13 डी0	30- राज नारायण मिश्र
निनानवे	नौ सौ	तेरह डी0	वगैरह
	उन्तीस		द0- रघुनाथ मिश्र वगैरह
	दक्षिण से		पू0- रघुनाथ मिश्र वगैरह
			प0- जय किशोर शर्मा वगैरह

चक क्रमांक-103 (एक सौ तीन)
 चक खेसरा-635 मी0 (छः सौ पैतीस)
 चक क्रमांक-139 (एक सौ उनचालिस)
 चक खेसरा-643 मी0 (छः सौ तेतालिस)

मिनजुमले नम्बर हाजा के जानिब दक्षिण से मवाजी 13 डी0 (तेरह डी0) हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।

लगान मय शेष एकजाई मो0 3/- (तीन) रूपया।



लेख्यसंदर्भ

विदित हो कि जायदाद मु० खाना सं०-5 लेख्यकारीगण की खरीदगी जायदाद है जो बजरिये खरीदगी केवाला म०ता० 07.01.1986ई० जिसका दस्तावेज नं०-457, रजिस्ट्री मोकाम मुजफ्फरपुर नविस्ते बैजनाथ मिश्र पिता बिकाऊ मिश्र बनाम मिश्री लाल गोस्वामी पिता स्व० महावीर गोस्वामी याने पिता लेख्यकारीगण के नाम से खरीद है जिसपर बाद ममात पिता लेख्यकारीगण के, लेख्यकारीगण बहैशियत वारिश जायज के काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल हुए वो चले आये वो है।

यह कि लेख्यकारीगण को रूपयों की जरूरत वास्ते खरीदने दिगर जायदाद एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिये है। बिना उपरोक्त सम्पति को बिक्री किये रूपये का प्रबंध इस समय हो नहीं सकता है। इसलिए लेख्यकारीगण ने उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति को बिक्री करने का घोषणा किया वो कराया तो साथ लेख्यधारी से उपरोक्त सम्पति का मूल्य अंकेन मो० 80,000/- (अस्सी हजार रुपया) मूल्य में बिक्री का दाम तय पा गया। इससे ज्यादा मूल्य देकर और कोई अन्य खरीदार उपरोक्त सम्पति को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुये वो न है तो लेख्यकारीगण ने साथ लेख्यधारी के विक्रय पत्र निबंधन कर देने में अपने आप को लाभ समझा।

अतएव लेख्यकारीगण अपने मानसिक तथा शारीरिक स्वस्थ अवस्था में रहकर बिना किसी बाहरी अनुचित दबाव वो धमकाव के अपने हानि-लाभ को पूर्ण ज्ञान सहित सोंच विचारकर उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति को अंकेन मो० 80,000/- (अस्सी हजार रुपया) मूल्य में साथ लेख्यधारी वसुधरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (Basundhara Teacher's Training College) जो नौर्य बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट (North Bihar Educational Trust) द्वारा संचालित है, को बिना कोई शर्त के निर्विवाद विक्रय पत्र लिखा वो किया वो बेचा वो विक्रय पत्र का निष्पादन स्वीकार किया।

यह कि मूल्य का कुल रुपया अंकेन मो० 80,000/- (अस्सी हजार रुपया) लेख्यकारीगण ने लेख्यधारी से इस विक्रय पत्र पर अपना सही बनाने के समय नगद वसुल पाया। अब एक पैसा भी लेख्यकारीगण का बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा।

367

सहीराम माधुसूदन (17)

30/8/90

सहीराम माधुसूदन गोस्वामी

30/8/90

सही सुरेश गोस्वामी

30/8/90



मो० 80,000 रुपया पुर
उत्तरी मो० माधुसूदन पुर
घाना नगर

मो० मुजफ्फरपुर | 30/8/90

चाहिए कि लेख्यधारी आज की तारीख से उपरोक्त सम्पति पर काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल होकर वो रहकर सम्पति को अपने जिस व्यवहार में चाहें लावेंगे या जो मर्जी चाहे सो करेंगे।

यह कि लेख्यकारीगण को उपरोक्त वर्णित विक्रय सम्पति में जो स्वामित्व वो अधिकार प्राप्त थी, वह सम्पूर्ण स्वामित्व वो अधिकार इस विक्रय पत्र के माध्यम से लेख्यधारी को प्राप्त हुआ। चाहिए कि लेख्यधारी नाम अपना ब शिरिस्ते जमीन्दारी बिहार सरकार या जहाँ-जहाँ ईन्द्राज नाम की जरूरत हो मुन्दर्ज कराकर ब अदाय मालगुजारी साल ब साल रसीद वो फारगखती बनाम खुद लेख्यधारी हासिल किया करेंगे। अब लेख्यकारीगण को किसी तरह का हक दावा तथा बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा।

यह कि लेख्यकारीगण ने लेख्यधारी को पूर्ण विश्वास वो भरोसा दिलाया है कि उपरोक्त जायदाद मु० खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति हर तरह के ऋणभार सरकारी और गैर-सरकारी वो अन्य व्यक्ति के हक हिसाब से मुक्त है। यदि बाद में पाया जायेगा जिसके वजह से खरीददार सम्पति के सम्पूर्ण भाग से अथवा कुछ भी अंश से बेदखल हो जाये तो क्षति के अनुसार क्षति का रकम मय हर्जा खर्चा तथा एक रूपया सैकड़ा माहवारी सुद लगाकर सूद समेत कुल कीमत लेख्यकारीगण के चल तथा अचल सम्पति से लेख्यधारी तथा उनके उत्तराधिकारी वसूल कर लेवेंगे। इसमें लेख्यकारीगण को कोई आपत्ति नहीं है वो न भविष्य में कभी होगा। वाजे रहे कि लेख्यकारीगण ने खेसरा नं० नौ सौ उनतीस में से आधा रकवा नक्शा के मोताबिक याने नक्शा उपर्युक्त खेसरा नम्बर का जो भी रकवा होगा उसमें से आधा रकवा लेख्यकारीगण बदस्त लेख्यधारी बिक्री किया है।

यह कि लेख्यधारी के द्वारा क्रय की गयी भूमि उक्त संस्थान की ख्रास सम्पति होगी तथा सिर्फ संस्थान के ही उपयोग एवं उपभोग में जायेगी। वो यह भी वाजे रहे कि अगर उपर्युक्त संस्थान किसी कारण वश बंद हो जाता है या उपर्युक्त संस्थान का मान्यता रद्द हो जाता है तो ऐसी परिस्थिति में ट्रस्ट द्वारा किसी दूसरे संस्थान का संचालन किया जा सकता है।

इस वास्ते यह निर्विवाद विक्रय पत्र लिख दिया कि समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे।

369

३०/८/१०

३०/८/१०

३०/८/१०

सही राम आचार गोरखाम

सही म्हागवत गोरखाम

सही सुरेन्द्र गोरखाम



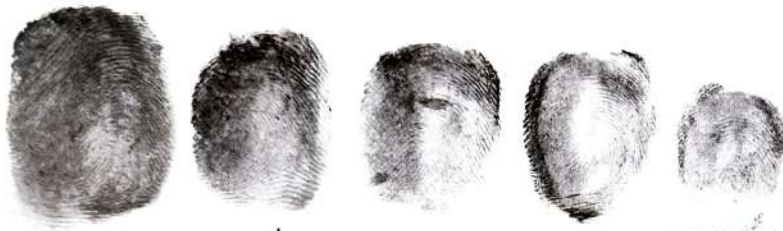
जब बसेद २००० मि.प्र.मि. वि०.गो.रख.मि.
साठ सिलेन विक्रय पत्र जयगाराय
भागा प्रमिधारी डिमा शुजाफापर

३०/८/१०

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका छाया-चित्र दस्तावेज में लगा है जिसको मैंने अभिप्रमाणित किया है, वो उनके बाँये हाथ के अंगुलियों के निशान मेरे सामने में लिया गया है।

कातिब दिलीप कुमार, ला0नं0-51/02 ई0।

9



स. प्र. उमा शंकर राय



अमल कुमार
दिलीप कुमार
कातिब ला.नं. 51/02

371
30/04/10
30/04/10
30/04/10
सही हाथ द्वारा स्कैन किया गया।

120



मनोज कुमार सिंह



अमल कुमार
दिलीप कुमार
कातिब ला.नं. 51/02

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज द्वारा अन्तरित भूमि सरकारी भूमि, खास महाल, गैर मजरुआ आम, गैर मजरुआ खास, पर्चा से प्राप्त, भू-दान, कैसरे हिन्द, हिन्दु धार्मिक न्यास बोर्ड एवं वक्फ की भूमि नहीं है अन्तरित भूमि मेरी निजि सम्पत्ति है जो पूर्णतया विधि मान्य है इसमें किसी भी प्रकार की गलती के लिये सजा का भागी मैं होऊंगा।

हस्ताक्षर लेख्यकारी
श्री श्री राम आचार्य गोरखाम्नी
सही भागवत गोरखाम्नी
सही सुरेश गोरखाम्नी

तहरीर की तारीख- 30.04.2010 ई0।

हस्ताक्षर लेख्यधारी

श. प्र. उमा शंकर राय

मनोज कुमार सिंह

कातिब दिलीप कुमार ला.नं. 51/02
दस्तावेज - सही दस्तावेज का सुदूर
द्वारा तहरीर कातिब गिद्ध है

10889

375 11997

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA



बिहार BIHAR

249589

Handwritten notes in Hindi, including 'बिहार सरकार' and 'जिला निबंधन कार्यालय, मुजफ्फरपुर'.

128
30-4

दिनांक 30/04/2010 को श्री/श्रीमती विश्वनाथ मिश्र

✓ 208

द्वारा यह दस्तावेज निबंधन हेतु उपस्थापित किया गया। इसमें रु० 7920/- मुद्रांक शुल्क एवं रु० 32367 निबंधन तथा अन्य शुल्क का भुगतान किया गया। दस्तावेज ग्राह्य पाया गया। जिन लेख्यकारियों ने मेरे निष्पादन स्वीकार किया उनके तथा उनके पहचानकर्ता के नाम, फोटो, अंगुलियों के निशान एवं हस्ताक्षर हैं। इसे दस्तावेज सं० 10889 के रूप में पुस्तक सं० 1 की जिल्द सं० 147 के पृष्ठ सं० 335 तक CD 45 में आज निबंधित एवं कुल 13 पृष्ठों में संधारित किया गया है।

32367
संक्षिप्त
अंकित
923

375
390

दिनांक 30/04/2010

राज कुमार यादव
निबंधन पदाधिकारी

- नाम लेख्यकारि:- श्री विश्वनाथ मिश्र पिता स्व० जूगल मिश्र, जाति भुमिहार-ब्राहमण, पेशा कास्तकारी, निवासी ग्राम सिलौत विशुनपुर जयनारायण प्रगना विसारा, एलाके थाना-मनियारी, निबंधन कार्यालय, मुंसिफी एवं जिला- मुजफ्फरपुर, भारतीय।

Handwritten signatures and dates at the bottom, including '30/4/10' and '30-4-10'.

Vertical handwritten notes on the right side, including '30/8/10' and 'स. वि. विश्वनाथ मिश्र'.

327
Serial No :

Token No : 13997

Type & Status
of Party

In Favour of

Deed No :

2010

Name of Party

सही विश्वनाथ मिश्रा
Uma Shankar Rai

1218
03.2.10

Signature of Party

Manoj KJ Singh

In Favour of

1218
03.2.10

Signature of Party

Vishavnath Mishra

Presented by
Self

1219
03.2.10

Signature of Party

Vishavnath Mishra

Executed by

Signature of Party

Narmadeshwar Mishra

Identifier

1220
03.2.10

Signature of Party



सही नर्मदेश्वर मिश्रा
नर्मदेश्वर मिश्रा

Photo Thumb Index Middle Ring



स.श. उमा शंकर राय 30.4.10.



सही मनोज कुमार सिंह 30.4.10



सही विश्वनाथ मिश्रा

5. लेख्य सम्पत्ति का विवरण- मवाजी 22 डी0 (बाईस डी0) भूमि जो अन्तर्गत राजस्व ग्राम सिलौत विशुनपुर जयनारायण, प्रगना विसारा, एलाके थाना मनियारी, निबंधन कार्यालय एवं मुंशिफी एवं जिला मुजफ्फरपुर अंदर पट्टी बिहार सरकार अंचल-कुदनी (तुर्की), थाना नं0-442 (चार सौ बेयालिस), सीट नं0-1 (एक), भूमि का प्रकार आवासीय भूमि खाली है इस पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं है।

खाता सर्वे	खेसरा सर्वे	चौहद्द
59	926मी0	30- सुमंगल मिश्र
उनसठ	नौ सौ छब्बीस	द0- हबीब मियां वगैरह बनम्बर हाजा पू0- सिवान मार्कन प0- सुरेश राय वगैरह

चक क्रमांक- 33 (तेतीस)

चक खेसरा-633मी0 (छः सौ तेतीस)

मिन जुमले नम्बर हाजा के जानिब उत्तर से मवाजी 6 डी0 (छः डी0) हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।

59	915मी0	30- शिव लाल राय वगैरह
उनसठ	नौ सौ पन्द्रह	द0- नीज लेख्यकारी हाल खरीदार लेख्यधारी वो मुस्मात चनरी देवी वगैरह पू0- नीज लेख्यकारी वो राम अशीष मिश्र वगैरह प0- मो0 जान मियां वो शिव लाल राय वगैरह

चक क्रमांक- 33 (तेतीस)

चक खेसरा-630मी0 (छः सौ तीस)

मोसल्लम मवाजी 11 डी0 (ग्यारह डी0) मोताबिक खतियान जो मोताबिक नक्शा पैमाईश मवाजी 12.5 डी0 (बारह दशमलव पांच डी0) होता है। हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।

सीटी विश्वनाथ मिश्र

30/8/196

216- हस्ब चौहद्दी वाला मवाजी 6 डी0 (छः डी0) हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।
30- शिव लाल राय वगैरह
मनियारी कीमत मुजफ्फरपुर
30/8/196

खाता	खेसरा	चौहद्दी
सर्वे	सर्वे	
59	923मो0	30- नीज लेख्यकारी हाल
उनसठ	नौ सौ	खरीदार लेख्यधारी
	तेईस	द0- शिव कुमार मिश्र वगैरह
		पू0- मुस्मात चनरी देवी वगैरह
		प0- मोहम्मद हबीब वगैरह

चक क्रमांक- 33 (तेतीस)

चक खेसरा-630मी0 (छः सौ तीस)

मोसल्लम मवाजी 3 डी0 (तीन डी0) मोताबिक खतियान जो मोताबिक नक्शा पैमाईश मवाजी 3.5 डी0 (तीन दशमलव पांच डी0) होता है। हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।

मिजान कुल मवाजी 22 डी0 (बाईस डी0) हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।

लगान मय शेष एकजाई मो0 5/- (पांच) रूपया।

लेख्यसंदर्भ

विदित हो कि जायदाद मु0 खाना सं0-5 लेख्यकारी की है जिसका रिविजनल सर्वे वो चक खतियान निस्वत जायदाद मु0 खाना सं0-5 बसमुल दिगर जायदाद बनाम विश्व नाथ मिश्र पिता जूगल मिश्र वगैरह के नाम से तसदिक पाया है। जो बरुये बाँट बाखुदहा अज पट्टिदारान अपने से बाँट कर जायदाद मु0 खाना संख्या-5 बहिस्से वो बकब्जे खास लेख्यकारी के दर आया। जिस पर लेख्यकारी पूर्ण अधिकार से साथ कुल हक वो हकुक के काबिज देखिल वो मालिक मुस्तकिल चले आते हैं वो हैं।

यह कि लेख्यकारी को रूपयों की जरूरत वास्ते खरीदने दिगर जायदाद एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिये है। बिना उपरोक्त सम्पति को बिक्री किये रूपये का प्रबंध इस समय हो नहीं सकता है। इसलिए लेख्यकारी ने उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित

281
श्री: विश्वनाथ मिश्र
30/8/70



385

सरकार या जहाँ-जहाँ ईन्द्राज नाम की जरूरत हो मुन्दर्ज कराकर ब अदाय मालगुजारी साल ब साल रसीद वो फारगखती बनाम खुद लेख्यधारी हासिल किया करेंगे। अब लेख्यकारी को किसी तरह का हक दावा तथा बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा।

यह कि लेख्यकारी ने लेख्यधारी को पूर्ण विश्वास वो भरोसा दिलाया है कि उपरोक्त जायदाद मु0 खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति हर तरह के ऋणभार सरकारी और गैर-सरकारी वो अन्य व्यक्ति के हक हिसाब से मुक्त है। यदि बाद में पाया जायेगा जिसके वजह से खरीददार सम्पति के सम्पूर्ण भाग से अथवा कुछ भी अंश से बेदखल हो जाये तो क्षति के अनुसार क्षति का रकम मय हर्जा खर्चा तथा एक रूपया सैकड़ा माहवारी सुद लगाकर सूद समेत कुल कीमत लेख्यकारी के चल तथा अचल सम्पति से लेख्यधारी तथा उनके उत्तराधिकारी वसूल कर लेवेंगे। इसमें लेख्यकारी को कोई आपत्ति नहीं है वो न भविष्य में कभी होगा।

यह कि लेख्यधारी के द्वारा क्रय की गयी भूमि उक्त संस्थान की खास सम्पति होगी तथा सिर्फ संस्थान के ही उपयोग एवं उपभोग में जायेगी। वो यह भी वाजे रहे कि अगर उपर्युक्त संस्थान किसी कारण वश बंद हो जाता है या उपर्युक्त संस्थान का मान्यता रद्द हो जाता है तो ऐसी परिस्थिति में ट्रस्ट द्वारा किसी दूसरे संस्थान का संचालन किया जा सकता है।

इस वास्ते यह निर्विवाद विक्रय पत्र लिख दिया कि समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे।

30/8/196
सिद्धि: विक्रय सिद्धि



387

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका छाया-चित्र दस्तावेज में लगा है जिसको मैंने अभिप्रमाणित किया है, वो उनके बाँये हाथ के अंगुलियों के निशान मेरे सामने में लिया गया है।

कातिब अमीर अली, ला0नं0-63/07 ई0।



कातिब अमीर अली
ला0नं0-63/07

सदी: विशुवराय मिश्र
30/8/10

9



स. उमा प्रभर राय

2



अनीज कुमार सिंह



कातिब अमीर अली
ला0नं0-63/07



प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज द्वारा अन्तरित भूमि सरकारी भूमि, खास महाल, गैर मजरुआ आम, गैर मजरुआ खास, पर्चा से प्राप्त, भू-दान, कैसरे हिन्द, हिन्दु धार्मिक न्यास बोर्ड एवं वक्फ की भूमि नहीं है अन्तरित भूमि मेरी निजि सम्पत्ति है जो पूर्णतया विधि मान्य है इसमें किसी भी प्रकार की गलती के लिये सजा का भागी मैं होउगां ।

कातिब अमीर अली ला0नं0-63/07
इस दस्तावेज में दर्ज भूमि में कोई भी
दस्तावेज कानून के विरुद्ध नहीं है

हस्ताक्षर लेख्यकारी

श्री टी. विशुवराय मिश्र

हस्ताक्षर लेख्यधारी

डा. उमा प्रभर राय

अनीज कुमार सिंह

द्वारा स्कैन किया गया ।

तहरीर की तारीख- 30.04.2010 ई0।

Aminash/2
कम्प्यूटिंग ऑफिस

Endorsement of Certificate of Admissibility

Admissible under Rule 5 : duly stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No. 23. Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

287


	Stamp duty paid under Indian Stamp Act	Rs.	7920	Amt. paid by N.J. Stamp Paper -	Rs. 5000
	Addl. Stamp duty paid under Municipal Act	Rs.	0	Amt. paid through Bank Challan -	Rs. 6156
	Registration Fee			LLR + Process Fee	Service Charge
FEE PAID	A1 2640 C	0 H1b	0 Ka1	0 Lii	0 LLR 250
	A8 0 D	0 H2	0 K1b	0 Liii	0 Proc. Fee 50
	A9 0 DD	0 I	0 K1c	0 Mb	Total- 300
	A10 0 E	0 J1	0 K2	0 Na	36
	B 0 H1a	0 J2	0 Li	0	
			TOTAL-	2676	
	Total amount paid (Reg. fee+LLR, Proc+Service Charge) in Rs.			3236	
	Date : 30/04/2010				

*Registering Officer
Muzaffarpur Sadar*

Endorsement under section 52

Presented for registration at Registration Office, Muzaffarpur Sadar on Friday, 30th April 2010 by Vishavnath Mishra s/o Jugal Mishra by profession Agriculture. Status - Executant

श्री: विश्वनाथ मिश्रा



विनायक

Signature / L.T.I. of Presentant Date : 30/04/2010

*Registering Officer
Muzaffarpur Sadar*

Endorsement under section 58

Execution is admitted by those executants and identified by the person (identified by Narmadeshwar Mishra age Sex M son/daughter of Gorakh Mishra resident of Vishunpur Jaynarayan Ps- Maniyari, Muz..) whose names, photographs, fingerprints and signatures are affixed as such on back page / pages of the instrument.

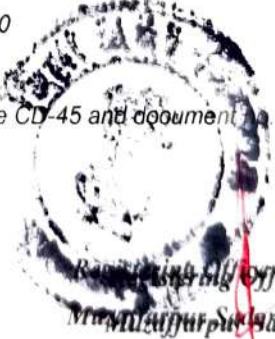
Date .

*Registering Officer
Muzaffarpur Sadar*

Endorsement of Certificate of Registration under section 60

Registered in Book 1 of DSRO/ SRO Muzaffarpur having 13 pages, in the volume CD-45 and document No. of which is printed on the First Page of the document.

Date Date 30/04/2010



विनायक

Token No. 11997 Year 2010 Sl. No. 11839

SCORE Ver. 2.0

Doc. No. 10889 NIC Bihar

Muzaffarpur Sadar

466

Serial No :
Token No :
Type & Status
of Party

Serial No :
of 2019
Name of Party

Uma Shankar Rai



502
33110

Signature of Party

श्री. उमा शंकर राय 3.5.10.

In favour of

Manoj Kumar Singh



503
33110

Signature of Party

श्री. मनोज कुमार सिंह 3.5.10

Presented by
Self

Shiv Kumar Mishra



504
33110

Signature of Party

श्री. शिव कुमार मिश्रा 31.2.190

Executed by

Shiv Kumar Mishra

Signature of Party
Narmadeshwar Mishra



505
33110

Signature of Party

श्री. नर्मदेश्वर मिश्रा 31.2.190

IDEALNER

467

2. नाम लेख्यधारी :-

वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज
(Basundhara Teacher's
Training College), जो नौर्य
बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट के द्वारा
संचालित है, द्वारा अध्यक्ष, (1)
डा० उमा शंकर राय पिता श्री
देव नारायण राय जीवित, जाति
भूमिहार-ब्राहमण, पेशा डॉक्टरी,
निवासी मुहल्ला अंगद अपार्टमेन्ट
(504) जी०डी० मिश्रा पथ, न्यू
पाटलीपुत्रा कॉलोनी (पटना), एलाके
थाना पाटलीपुत्रा, जिला-पटना एवं
सचिव, (2) श्री मनोज कुमार
सिंह पिता श्री शिव सागर सिंह
जीवित, जाति राजपुत, पेशा व्यवसाय,
निवासी मुहल्ला अंगद अपार्टमेन्ट
(404), जी०डी० मिश्रा पथ, न्यू
पाटलीपुत्रा कॉलोनी (पटना), एलाके
थाना पाटलीपुत्रा, जिला-पटना,
भारतीय।

श्री शिव सागर सिंह

3.4.2019

3. लेख्य प्रकार :-

निर्विवाद विक्रय पत्र।

4. भूमि का मूल्य :-

अंकेन मो० 85,000/- (पचासी
हजार रुपया मात्र) जिसका आधा
मो० 42,500/- (बियालिस हजार
पांच सौ रुपया) होता है।

श्री शिव सागर सिंह
सा.मि.नौ. विभाग प्र. 2019
मनिथारी बि.जी. - 15/4/2019

3.4.2019

5. लेख्य सम्पत्ति का विवरण- मवाजी 14 डी0 (चौदह डी0) भूमि जो अन्तर्गत राजस्व ग्राम सिलौत विशुनपुर जयनारायण, प्रगना विसारा, एलाके थाना मनियारी, निबंधन कार्यालय एवं मुंशिफी एवं जिला मुजफ्फरपुर अंदर पट्टी बिहार सरकार अंचल-कुड़नी (तुर्की), थाना नं0-442 (चार सौ बेयालिस), सीट नं0-1 (एक), भूमि का प्रकार आवासीय भूमि खाली है इस पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं है।

राज नारायण मिश्र

3.8.2010

खाता सर्वे	खेसरा सर्वे	रकवा	चौहद्दी
148	930मो0	14 डी0	30- हाल खरीदार लेख्यधारी
एक सौ अड़तालिस	नौ सौ तीस मो0	चौदह डी0	40- राज नारायण मिश्र वगैरह
			पू0- हाल खरीदार लेख्यधारी
			प0- बीबी शकिना खातुन वो प्रभु नारायण मिश्र वो मु0 राम हेरी कुअर वगैरह

चक क्रमांक-159 (एक सौ उनसठ)
चक खेसरा-636मो0 (छः सौ छत्तीस)
मोसल्लम मवाजी 14 डी0 (चौदह डी0) हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।

लगान मय शेष एकजाई मो0 3/- (तीन) रूपया।

लेख्यसंदर्भ

विदित हो कि जायदाद मु0 खाना सं0-5 लेख्यकारी की मौरूसी जायदाद है जिसका रिविजनल सर्वे वो चक खतियान निस्वत जायदाद मु0 खाना सं0-5 बनाम रामदेनी मिश्र पिता राम बहादुर मिश्र याने पिता लेख्यकारी के नाम से तसदिक पाया है। जो

मोसल्लम मिश्र (पिता) राज नारायण मिश्र (पुत्र)
खाता- 148, सीट- 1
मुजफ्फरपुर 3.8.2010

बुरुये बाँट बाखुदहा अज बेरादरान अपने से बाँट कर जायदाद मु0
खाना संख्या-5 बहिस्से वो बकब्जे खास लेख्यकारी के दर आया।
जिस पर लेख्यकारी पूर्ण अधिकार से साथ कुल हक वो हकुक के
काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल चले आते हैं वो हैं।

यह कि लेख्यकारी को रुपयों की जरूरत वास्ते खरीदने
दिगर जायदाद एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिये है। बिना उपरोक्त
सम्पति को बिक्री किये रुपये का प्रबंध इस समय हो नहीं सकता
है। इसलिए लेख्यकारी ने उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित
सम्पति को बिक्री करने का घोषणा किया वो कराया तो साथ
लेख्यधारी से उपरोक्त सम्पति का मूल्य अंकेन मो0 85,000/-
(पचासी हजार रुपया) मूल्य में बिक्री का दाम तय पा गया। इससे
ज्यादा मूल्य देकर और कोई अन्य खरीदार उपरोक्त सम्पति को
खरीदने के लिए तैयार नहीं हुये वो न है तो लेख्यकारी ने साथ
लेख्यधारी के विक्रय पत्र निबंधन कर देने में अपने आप को लाभ
समझा।

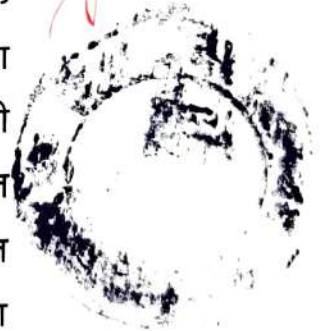
अतएव लेख्यकारी अपने मानसिक तथा शारीरिक स्वस्थ
अवस्था में रहकर बिना किसी बाहरी अनुचित दबाव वो धमकाव के
अपने हानि-लाभ को पूर्ण ज्ञान सहित सोंच विचारकर उपरोक्त खाना
संख्या-5 की वर्णित सम्पति को अंकेन मो0 85,000/- (पचासी
हजार रुपया) मूल्य में साथ लेख्यधारी वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज
(Basundhara Teacher's Training College) जो नौर्य बिहार एजुकेशनल
ट्रस्ट (North Bihar Educational Trust) द्वारा संचालित है, को बिना
कोई शर्त के निर्विवाद विक्रय पत्र लिखा वो किया वो बेचा वो विक्रय
पत्र का निष्पादन स्वीकार किया।

यह कि मूल्य का कुल रुपया अंकेन मो0 85,000/-
(पचासी हजार रुपया) लेख्यकारी ने लेख्यधारी से इस विक्रय पत्र
पर अपना सही बनाने के समय नगद वसुल पाया। अब एक पैसा
भी लेख्यकारी का बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा। चाहिए

471

रतन कुमार मिश्र

5.11.2010



कि लेख्यधारी आज की तारीख से उपरोक्त सम्पति पर काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल होकर वो रहकर सम्पति को अपने जिस व्यवहार में चाहें लावेंगे या जो मर्जी चाहे सो करेंगे।

यह कि लेख्यकारी को उपरोक्त वर्णित विक्रय सम्पति में जो स्वामित्व वो अधिकार प्राप्त थी, वह सम्पूर्ण स्वामित्व वो अधिकार इस विक्रय पत्र के माध्यम से लेख्यधारी को प्राप्त हुआ। चाहिए कि लेख्यधारी नाम अपना ब शिरिस्ते जमीन्दारी बिहार सरकार या जहाँ-जहाँ ईन्द्राज नाम की जरूरत हो मुन्दर्ज कराकर ब अदाय मालगुजारी साल ब साल रसीद वो फारगख्ती बनाम खुद लेख्यधारी हासिल किया करेंगे। अब लेख्यकारी को किसी तरह का हक दावा तथा बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा।

यह कि लेख्यकारी ने लेख्यधारी को पूर्ण विश्वास वो भरोसा दिलाया है कि उपरोक्त जायदाद मु० खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति हर तरह के ऋणभार सरकारी और गैर-सरकारी वो अन्य व्यक्ति के हक हिसाब से मुक्त है। यदि बाद में पाया जायेगा जिसके वजह से खरीददार सम्पति के सम्पूर्ण भाग से अथवा कुछ भी अंश से बेदखल हो जाये तो क्षति के अनुसार क्षति का रकम मय हर्जा खर्चा तथा एक रूपया सैकड़ा माहवारी सुद लगाकर सूद समेत कुल कीमत लेख्यकारी के चल तथा अचल सम्पति से लेख्यधारी तथा उनके उत्तराधिकारी वसूल कर लेवेंगे। इसमें लेख्यकारी को कोई आपत्ति नहीं है वो न भविष्य में कभी होगा।

यह कि लेख्यधारी के द्वारा क्रय की गयी भूमि उक्त संस्थान की खास सम्पति होगी तथा सिर्फ संस्थान के ही उपयोग एवं उपभोग में जायेगी। वो यह भी वाजे रहे कि अगर उपर्युक्त संस्थान किसी कारण वश बंद हो जाता है या उपर्युक्त संस्थान का मान्यता रद्द हो जाता है तो ऐसी परिस्थिति में ट्रस्ट द्वारा किसी दूसरे संस्थान का संचालन किया जा सकता है।

श्री 18/12/2018

3.4.2018



475

इस वास्ते यह निर्विवाद विक्रय पत्र लिख दिया कि समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे।

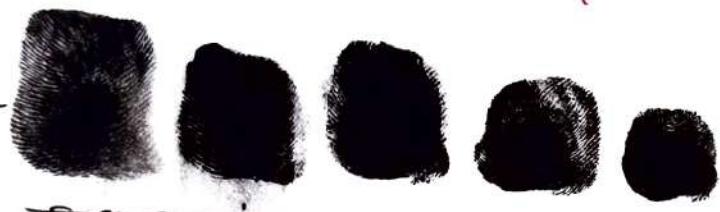
प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका छाया-चित्र दस्तावेज में लगा है जिसको मैंने अभिप्रमाणित किया है, वो उनके बाँये हाथ के अंगूलियों के निशान मेरे सामने में लिया गया है।

स.श. 371 प्र. कुमर सिंह

3.5.2010

कातिब अमीर अली, ला0नं0-63/07 ई0।

9



स.श. 371 प्र. कुमर सिंह 3.5.10

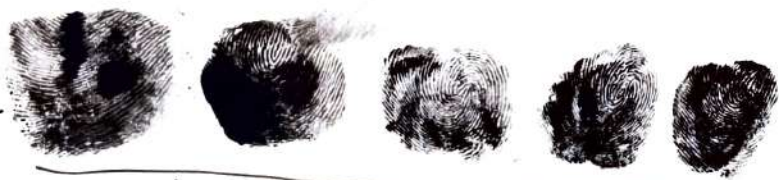


कातिब (स.श. 371 प्र. कुमर सिंह)

मेरे द्वारा स्कैन किया गया।

Kamal Karmyoo आप मुज

2



स.श. 371 प्र. कुमर सिंह



कातिब (स.श. 371 प्र. कुमर सिंह)

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज द्वारा अन्तरित भूमि सरकारी भूमि, खास महाल, गैर मजरुआ आम, गैर मजरुआ खास, पर्चा से प्राप्त, भू-दान, कैसरे हिन्द, हिन्दु धार्मिक न्यास बोर्ड एवं वक्फ की भूमि नहीं है अन्तरित भूमि मेरी निजि सम्पत्ति है जो पूर्णतया विधि मान्य है इसमें किसी भी प्रकार की गलती के लिये सजा का भागी मैं होउगां।

हस्ताक्षर लेख्यकारी

स.श. 371 प्र. कुमर सिंह

हस्ताक्षर लेख्यधारी

स.श. 371 प्र. कुमर सिंह

स.श. 371 प्र. कुमर सिंह

कातिब अमीर अली (स.श. 371 प्र. कुमर सिंह) का दस्तावेज में मेरे द्वारा स्कैन किया गया है।

तहरीर की तारीख-03.05.2010 ई0।

Endorsement of Certificate of Admissibility

129

Admissible under Rule 5 : duly stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No. 23. Also admissible under section 28(a) of the B. T. Act.

477


Stamp duty paid under Indian Stamp Act	Rs.	5100	Amt. paid by N.J. Stamp Paper -	Rs. 5000						
Addl. Stamp duty paid under Municipal Act	Rs.	0	Amt. paid through Bank Challan -	Rs. 2211						
	Registration Fee		LLR + Process Fee	Service Charge						
FEE PAID	A1	1700 C	0 H1b	0 Ka1	0 Lii	0	LLR :	150		
	A8	0 D	0 H2	0 K1b	0 Liii	0	Proc. Fee	25	200	
	A9	0 DD	0 I	0 K1c	0 Mb	0	Total-	175		
	A10	0 E	0 J1	0 K2	0 Na	36				
	B	0 H1a	0 J2	0 Li	0					
						TOTAL-		1736		
								2111		
Total amount paid (Reg. fee+LLR, Proc+Service Charge) in Rs.									2111	
Date : 03/05/2010										

Registering Officer
Muzaffarpur Sadar
3-5-10

Endorsement under section 52

Presented for registration at Registration Office, Muzaffarpur Sadar on Monday, 03rd May 2010 by Shiv Kumar Mishra s/o Ramdeni Mishra by profession Agriculture. Status - Executant

Signature / L.T.I. of Presentant  Date : 03/05/2010


 विनायक
 राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, बिहार

Registering Officer
Muzaffarpur Sadar
3/5

Endorsement under section 58

Execution is admitted by those executants and identified by the person (identified by Narmadeshwar Mishra age Sex M son/daughter of Gorakh Mishra resident of Silaut Bishunpur Jai Narayan , Ps-Maniyari,Muz..) whose names, photographs, fingerprints and signatures are affixed as such on back page / pages of the instrument.

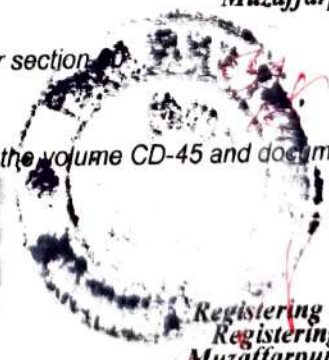
Registering Officer
Muzaffarpur Sadar

Date .

Endorsement of Certificate of Registration under section 52

Registered in Book 1 of DSRO/ SRO Muzaffarpur having 10 pages, in the volume CD-45 and document no. of which is printed on the First Page of the document.

Date : 03/05/2010



Registering Officer
Muzaffarpur Sadar
Muzaffarpur Sadar

Token No. 12144 Year - 2010 SI.No. 12022

SCORE Ver. 2.0

Deed No. 11057 NIC-Bihar
Deed No. NIC-Bihar



T-18828
557



बिहार BIHAR

9382 दिनांक 2-6-2010 को अंश 9000 पर 25/- F 482053

वसुंधरा देवी देविता कोलेज द्वारा अन्वय
Sio उमा शिवराय शिवराय देवारायण राय सा:
उमा देवी देविता (504) जी.पी. वि. वि. पं.,
बिहार सरकार
उजला निबंधन कार्यालय, मुजफ्फरपुर (575) पाना

दिनांक 02/07/2010 को श्री/श्रीमती मोहं याकुब जीला परना पाना लिखाने
द्वारा यह निबंधन हेतु उपस्थापित किया गया। इसमें रु० 3060/- मुद्रांक शुल्क एवं रु० 1626/-
निबंधन तथा अन्य शुल्क का भुगतान किया गया। दस्तावेज ग्राह्य पायो गया। जिन लेखकारियों ने जो समक्ष इमान
आप्यादन स्वीकार किया उनको लिखाने के पदचिह्न (हस्ताक्षर) के साथ, फोटो, अंगुलिचिह्न के साथ एवं हस्ताक्षर पीछे संकेत
। इसे दस्तावेज सं० 17206 के रूप में पुस्तक सं० 1 की जिल्द सं० 234 के पृष्ठ सं० 557
567 तक CD 69 में आज निबंधित एवं कुल 11 पृष्ठों में संधारित किया गया।

दिनांक 02/07/2010

558
574



अधीक कर्मा टाका
निबंधन कार्यालय



1. नाम लेख्यकारीगण:- (1) मोहम्मद याकुब वो (2) मोहम्मद सऊफ पिता मोहम्मद हबीब अन्सारी, मरहुम, कॉम अन्सारी, पेशा कास्तकारी, निवासी ग्राम मोहम्मदपुर बुजुर्ग, प्रगना विसारा, एलाके थाना-सकरा, उप निबंधन कार्यालय सकरा, मुंसिफी एवं जिला- मुजफ्फरपुर, भारतीय।

दिनांक 2/6/2010
Sio उमा शिवराय देवारायण राय सा:
पत्रिका सं० 557

बिहार राज्य पुस्तकालय के कोष निबंधन वि:
मुजफ्फरपुर
2-7-10

570

- 22441

Serial No
Token No 15835
Type & Status
of Party

Deed No
of 2010
Name of Party

सही मो. याक़ुब

Photo Thumb Index Middle Ring Little

In Favour of

Uma Shankar Rai



705 21
05010

सो. 51. उमा शंकर राय 2.7.10.

Presented by
Self

Md. Yakub



Signature of Party

706
05010

Executed by

Signature of Party

Md. Saif



सही मो. याक़ुब रा 2-7-010

Executed by

Signature of Party

Md. Yakub

सही मो. याक़ुब 2/6/10

Identifier

Signature of Party

Jaki Hasan



708
05010

सो. जकी हसन यास राय
नरुट राय रा 2.6.10

Signature of Party

563

कार्यालय एवं मुंशिफी एवं जिला
मुजफ्फरपुर अंदर पट्टी बिहार सरकार
अंचल-कुदनी (तुर्की), थाना नं0-442
(चार सौ बेयालिस), सीट नं0-1
(एक), भूमि का प्रकार भीठ वो
आवासीय, भूमि खाली है, वो
उस पर किसी प्रकार का कोई
निर्माण नहीं है।

लक्ष्मी मोहन प्रसाद मिश्र 2/6/2020
राधा मोहन प्रसाद मिश्र 2/6/2020

किस्म जमीन भीठ

खाता खेसरा
सर्वे सर्वे
125 914मो0
एक सौ नौ सौ
पच्चीस चौदह
मो0

चौहद्दी

- 30- मुस्मात काली कुंवर वो
विश्वनाथ मिश्र वो देवनाथ मिश्र
वगैरह
- द0- सुमंगल मिश्र पिता जयगोविन्द
मिश्र हाल रमाकान्त मिश्र वो
हाल खरीदार लेख्यधारी
- पू0- सीवान मारकन
- प0- हाल खरीदार लेख्यधारी



चक क्रमांक-150 (एक सौ पच्चास)
चक खेसरा-631मो0 (छः सौ एकतिस मो0)
मवाजी 12 डी0 (बारह डी0) हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता
है। मूल्य मो0 33,000/- (तेतीस हजार रुपया)।

जो जमीन खरीदार पिता- लक्ष्मी प्रसाद मिश्र
शान्ति भवन में बिक्री के लिए - प्रस्तावित है।
2/6/2020

किस्म जमीन, आवासीय, एराजी खाली है वो उस पर
किसी प्रकार का कोई निर्माण नहीं है।

ख़ाता	खेसरा	चौहद्दी
सर्वे	सर्वे	
82	928मी०पश्चिम से 30-	हाल खरीदार लेख्यधारी
बेरासी	नौ सौ	द०- हाल खरीदार लेख्यधारी
	अठईस	पू०- मो० एकबाल वो मो० रुऊफ
	मी०	ब नम्बर हाजा
		प०- बिकाऊ मिश्र पिता गजराज
		मिश्र वगैरह

565

सही मो० पा० कु०
2/6/2090

पिता
27/6/2090

2/6/2090

चक क्रमांक-85 (पचासी)
चक खेसरा-634 मी० (छः सौ चौतीस मी०)
मीन जुमले नम्बर हाजा के जानिब पश्चिम से मवाजी 1.5
डी० (एक दश० पांच डी०) हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।
मूल्य मो० 18,000/- (अठारह हजार रुपया)।

लगान मय शेष एकजाई मो० 3/- (तीन) रुपया मात्र।

लेख्यसंदर्भ

विदित हो कि जायदाद मु० खाना सं०-5 लेख्यकारीगण-
के पिता के नाम से खरीद है। जो बजरिये खरीदगी दो किताब
केवालेजात एके अ०ता० 03.04.1986 ई० जिसका दस्तावेज
नं०-6283, रजिस्ट्री मोकाम मुजफ्फरपुर नविस्ते श्री रामाशीष मिश्र
पिता स्व० ठकुर मिश्र बनाम मोहम्मद हबीब पिता मोहम्मद सब्दुल
मियां पिता लेख्यकारीगण के नाम से खरीद है, वो दिगरे केवाला
अ०ता० 28.07.1988 ई० जिसका दस्तावेज नं०-14843, रजिस्ट्री
मोकाम मुजफ्फरपुर नविस्ते गौडी शंकर मिश्र पिता स्व० प्रभु
नारायण मिश्र बनाम मोहम्मद हबीब अन्सारी पिता मोहम्मद सब्दुल
अन्सारी याने पिता लेख्यकारीगण के नाम से खरीद है, जो बाद
ममात पिता लेख्यकारीगण के, बरुये बाँट बाखुदहा अज बेरादरान



210 मी० खाली मी० पिता स्व० मिश्र
 स्था० ब्राप - मोहम्मद फूर बुजूर
 पाना बसकरा
 जिला - मुजफ्फरपुर 2/6/2090

अपने से बाँट कर जायदाद मु०खाना नं०-5 बहिस्से वो बकब्जे खास लेख्यकारीगण के दर आया। जिस पर लेख्यकारीगण पूर्ण अधिकार से साथ कुल हक वो हकुक के काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल चले आते हैं वो हैं।

यह कि लेख्यकारीगण को रुपयों की जरूरत वास्ते खरीदने दिगर जायदाद एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिये है। बिना उपरोक्त सम्पत्ति को बिक्री किये रुपये का प्रबंध इस समय हो नहीं सकता है। इसलिए लेख्यकारीगण ने उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पत्ति को बिक्री करने का घोषणा किया वो कराया तो साथ लेख्यधारी से उपरोक्त सम्पत्ति का मूल्य अंकेन मो० 51,000/- (एकाबन हजार रुपया) मूल्य में बिक्री का दाम तय पा गया। इससे ज्यादा मूल्य देकर और कोई अन्य खरीदार उपरोक्त सम्पत्ति को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुये वो न है तो लेख्यकारीगण ने साथ लेख्यधारी के विक्रय पत्र निबंधन कर देने में अपने आप को लाभ समझा।

अतएव लेख्यकारीगण अपने मानसिक तथा शारीरिक स्वस्थ अवस्था में रहकर बिना किसी बाहरी अनुचित दबाव वो धमकाव के अपने हानि-लाभ को पूर्ण ज्ञान सहित सोंच विचारकर उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पत्ति को अंकेन मो० 51,000/- (एकाबन हजार रुपया) मूल्य में साथ लेख्यधारी वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (Basundhara Teacher's Training College) जो नौर्य बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट (North Bihar Educational Trust) द्वारा संचालित है, को बिना कोई शर्त के निर्विवाद विक्रय पत्र लिखा वो किया वो बेचा वो विक्रय पत्र का निष्पादन स्वीकार किया।

यह कि मूल्य का कुल रुपया अंकेन मो० 51,000/- (एकाबन हजार रुपया) लेख्यकारीगण ने लेख्यधारी से इस विक्रय पत्र पर अपना सही बनाने के समय नगद वसुल पाया। अब एक पैसा भी लेख्यकारीगण का बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं

567
2/6/2020
2/6/2020
2/6/2020



रहा। चाहिए कि लेख्यधारी आज की तारीख से उपरोक्त सम्पत्ति पर काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल होकर वो रहकर सम्पत्ति को अपने जिस व्यवहार में चाहें लावेंगे या जो मर्जी चाहे सो करेंगे।

यह कि लेख्यकारीगण को उपरोक्त वर्णित विक्रय सम्पत्ति में जो स्वामित्व वो अधिकार प्राप्त थी, वह सम्पूर्ण स्वामित्व वो अधिकार इस विक्रय पत्र के माध्यम से लेख्यधारी को प्राप्त हुआ। चाहिए कि लेख्यधारी नाम अपना ब शिरिस्ते जमीन्दारी बिहार सरकार या जहाँ-जहाँ ईन्द्राज नाम की जरूरत हो मुन्दर्ज कराकर ब अदाय मालगुजारी साल ब साल रसीद वो फारगखती बनाम खुद लेख्यधारी हासिल किया करेंगे। अब लेख्यकारीगण को किसी तरह का हक दावा तथा बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा।

यह कि लेख्यकारीगण ने लेख्यधारी को पूर्ण विश्वास वो भरोसा दिलाया है कि उपरोक्त जायदाद मु० खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पत्ति हर तरह के ऋणभार सरकारी और गैर-सरकारी वो अन्य व्यक्ति के हक हिसाब से मुक्त है। यदि बाद में पाया जायेगा जिसके वजह से खरीददार सम्पत्ति के सम्पूर्ण भाग से अथवा कुछ भी अंश से बेदखल हो जाये तो क्षति के अनुसार क्षति का रकम मय हर्जा खर्चा तथा एक रुपया सैकड़ा माहवारी सुद लगाकर सूद समेत कुल कीमत लेख्यकारीगण के चल तथा अचल सम्पत्ति से लेख्यधारी तथा उनके उत्तराधिकारी वसूल कर लेवेंगे। इसमें लेख्यकारीगण को कोई आपत्ति नहीं है वो न भविष्य में कभी होगा।

यह कि लेख्यधारी के द्वारा क्रय की गयी भूमि उक्त संस्थान की खास सम्पत्ति होगी तथा सिर्फ संस्थान के ही उपयोग एवं उपभोग में जायेगी। वो यह भी वाजे रहे कि अगर उपर्युक्त संस्थान किसी कारण वश बंद हो जाता है या उपर्युक्त संस्थान का मान्यता रद्द हो जाता है, तो ऐसी परिस्थिति में ट्रस्ट द्वारा किसी दूसरे संस्थान का संचालन किया जा सकता है।

इस वास्ते यह निर्विवाद विक्रय पत्र लिख दिया कि समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे।

569

24/11/2015

2/6/2090

24/11/2015

2/6/2090

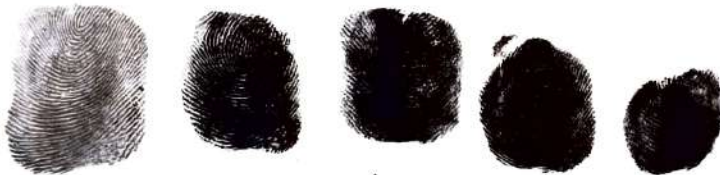


प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका छाया-चित्र दस्तावेज में लगा है जिसको मैंने अभिप्रमाणित किया है, वो उनके बाँये हाथ के अंगूलियों के निशान मेरे सामने में लिया गया है।

कातिब अमीर अली, ला0नं0-63/07 ई0।



कातिब अमीर अली नं. 63/06 ई



स. डा. उमा शं. क. 214

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज द्वारा अन्तरित भूमि सरकारी भूमि, खास महाल, गैर मजरुआ आम, गैर मजरुआ खास, पर्चा से प्राप्त, भू-दान, कैसरे हिन्द, हिन्दु धार्मिक न्यास, बोर्ड एवं वक्फ की भूमि नहीं है अन्तरित भूमि मेरी निजि सम्पत्ति है जो पूर्णतया विधि मान्य है इसमें किसी भी प्रकार की गलती के लिये सजा का भागी मैं होउगां ।

हस्ताक्षर लेख्यकारी गण

सही मो. 051 कुव
214/10 2136

हस्ताक्षर लेख्यधारी

स. डा. उमा शं. क. 214

तहरीर की तारीख- 02.07.2010 ई0।

571

सही मो. 051 कुव
214/10 2136
2/6/2010
2/6/2010

Scanned by
Pireesh

कातिब अमीर अली नं. 63/06 ई
मैंने इस दस्तावेज में अमरुत के नाम पर भूमि का न्यास किया है
इस का मंजूरी नुस मो. 051 कुव का न्यास किया

Endorsement of Certificate of Admissibility

Admissible under Rule 5 : duly stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No. 23. Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

98
573

Stamp duty paid under Indian Stamp Act	Rs.	3060	Amt. paid by N.J. Stamp Paper -	Rs. 1000			
Addl. Stamp duty paid under Municipal Act	Rs.	0	Amt. paid through Bank Challan -	Rs. 3686			
	Registration Fee		LLR + Process Fee	Service Charge			
FEE PAID	A1 1020 C	0 H1b	0 Ka1	0 Lii	0 LLR	300	
	A8 0 D	0 H2	0 K1b	0 Liii	0 Proc. Fee	50	220
	A9 0 DD	0 I	0 K1c	0 Mb	0 Total-	350	
	A10 0 E	0 J1	0 K2	0 Na			
	B 0 H1a	0 J2	0 Li	0			
					TOTAL-	1056	
Total amount paid (Reg. fee+LLR, Proc+Service Charge) in Rs. .					1626		
Date : 02/07/2010							

Registering Officer
Muzaffarpur Sadar
2-7-10

Endorsement under section 52

Presented for registration at Registration Office, Muzaffarpur Sadar on Friday, 02nd July 2010 by Md. Yakub s/o Md. Habib Ansari by profession Agriculture. Status - Executant



Signature / L.T.I. of Presentant
सही मोशकुद

Date : 02/07/2010

Registering Officer
Muzaffarpur Sadar
2-7-10

Endorsement under section 58

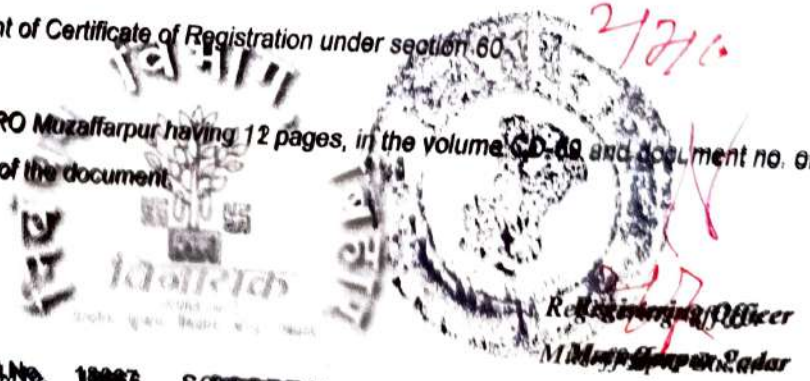
Execution is admitted by those executants and identified by the person (identified by Jaki Hasan age ... Sex M son/daughter of Abdul Sakur Ansari resident of Mohmmadpur Bujurg Ps- Sakra, Muz...) whose names, photographs, fingerprints and signatures are affixed as such on back page / pages of the instrument.

Date .

Registering Officer
Muzaffarpur Sadar

Endorsement of Certificate of Registration under section 60

Registered in Book 1 of DSRO/ SRO Muzaffarpur having 12 pages, in the volume CD-69 and document no. of which is printed on the First Page of the document.



Date: 02/07/2010

Registering Officer
Muzaffarpur Sadar

9.270

541

T-22441



9646 4.2.2010 मनासि 371
F 486920
बिहार सरकार
जिला निबंधन कार्यालय, मुजफ्फरपुर

दिनांक 05/08/2010 को श्री/श्रीमती मनोज कु0 सिंह NO-391
द्वारा यह दस्तावेज निबंधन हेतु उपस्थापित किया गया। इसमें रु0 मुद्रांक एवं रु0 1391-

निबंधन तथा अन्य शुल्क का भुगतान किया गया। दस्तावेज प्रेषण पाया गया। निबंधन लेखकारियों ने मंरे निबंधन निष्पादन स्वीकार किया उनके तथा उनके पहचानकर्ता के नाम, फोटो, अंगुलियों के निष्पादन एवं दस्तावेज के अंकित है। इससे दस्तावेज सं0 20564 के रूप में पुस्तक सं0 1 की निबंधन सं0 278 के पृष्ठ सं0 474 तक CD 82 में आज निबंधित एवं कुल 8- पृष्ठों में संश्लिष्ट किया गया

दिनांक 05/08/2010

ह0
जसोफ कुमार ठाकुर
निबंधन प्रशासिकारी



8.4.34 800 अंकित. निबंधन
मुजफ्फरपुर पंचवार्ड 200 अंकित निबंधन
अहो सं0 एकनाथ स वजीर
जसोफ कुमार ठाकुर
अहो सं0 8.30.10

1. नाम लेख्यकारी:- मोहम्मद एकबाल वल्द मोहम्मद हबीब अंसारी, मरहुम; जाति मोमिन अंसारी, पेशा कास्तकारी, निवासी ग्राम मोहम्मदपुर बुजुर्ग, प्रगना विसारा, एलाके थाना-सकरा, उप निबंधन कार्यालय सकरा, मुंसिफी एवं जिला- मुजफ्फरपुर, भारतीय।

5/8/10

5/8/10

Serial No. 552
 Token No. 22441
 Type & Status of Party

Doc No : 2010
 Name of Party

Photo Thumb Index Middle Ring

Presented by Self
 मनीज कुमार सिंह
 Manoj Kr. Singh

1991/05/08











In Favour of
 विनायक
 Signature of Party
 Manoj Kr. Singh
 मनीज कुमार सिंह 05/08/10

Executed by
 विनायक
 Signature of Party
 Md. Ekwel

1992





Signature of Party
 Jaki Hasan
 मनीज कुमार सिंह

Identifier
 1993
 Signature of Party
 मनीज कुमार सिंह
 मनीज कुमार सिंह का हस्ताक्षर
 दि. 8-2010

2. नाम लेख्यधारी :-

वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज
(Basundhara Teacher's
Training College), जो नौर्य
बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट (North
Bihar Educational Trust) के
द्वारा संचालित है, द्वारा सचिव, श्री
मनोज कुमार सिंह पिता श्री
शिवसागर सिंह जीवित, जाति
राजपुत, पेशा व्यापार, निवासी मुहल्ला
अंगद अपार्टमेन्ट (404) जी0डी0
मिश्रा पथ, न्यू पाटलीपुत्र कॉलोनी
(पटना), एलाके थाना पाटलीपुत्र,
जिला-पटना, भारतीय।

527
मो 05/05/2010
मो 8.2010



3. लेख्य प्रकार :-

निर्विवाद विक्रय पत्र।

4. भूमि का मूल्य :-

अंकेन मो0 51,000/- (एकावन
हजार रुपया मात्र) जिसका आधा
मो0 25,500/- (पच्चीस हजार पांच
सौ रुपया) होता है।

5. लेख्य सम्पति का विवरण:-

मवाजी 8.437 डी0 (आठ दशमलव
चार तीन सात डी0) भूमि जो अन्तर्गत
राजस्व ग्राम सिलौत विशुनपुर
जयनारायण, प्रगना विसाय, एलाके थाना
मनियारी, निबंधन कार्यालय एवं मुशिफी
एवं जिला मुजफ्फरपुर अंदर पट्टी
बिहार सरकार अंचल-कुदनी (तुकी),
थाना नं0-442 (चार सौ बेयालिस),
भूमि का प्रकार आवासीय भूमि
खाली है, उस पर किसी प्रकार
का कोई निर्माण नहीं है।

मो 05/05/2010
मो 8.2010
मो 8.2010

लेख्यधारी से उपरोक्त सम्पत्ति का मूल्य अंकेन मो० 51,000/- (एकावन हजार रुपया) मूल्य में बिक्री का दाम तय पा गया। इससे ज्यादा मूल्य देकर और कोई अन्य खरीदार उपरोक्त सम्पत्ति को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुये वो न है तो लेख्यकारी ने साथ लेख्यधारी के विक्रय पत्र निबंधन कर देने में अपने आप को लाभ समझा।

अतएव लेख्यकारी अपने मानसिक तथा शारीरिक स्वस्थ अवस्था में रहकर बिना किसी बाहरी अनुचित दबाव वो धमकाव के अपने हानि-लाभ को पूर्ण ज्ञान सहित सोंच विचारकर उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पत्ति को अंकेन मो० 51,000/- (एकावन हजार रुपया) मूल्य में साथ लेख्यधारी वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (Basundhara Teacher's Training College) जो नैर्य बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट (North Bihar Educational Trust) द्वारा संचालित है, को बिना कोई शर्त के निर्विवाद विक्रय पत्र लिखा वो किया वो बेचा वो विक्रय पत्र का निष्पादन स्वीकार किया।

यह कि मूल्य का कुल रुपया अंकेन मो० 51,000/- (एकावन हजार रुपया) लेख्यकारी ने लेख्यधारी से इस विक्रय पत्र पर अपना सही बनाने के समय नगद वसूल पाया। अब एक पैसा भी लेख्यकारी का बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा। चाहिए कि लेख्यधारी आज की तारीख से उपरोक्त सम्पत्ति पर काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल होकर वो रहकर सम्पत्ति को अपने जिस व्यवहार में चाहें लावेंगे या जो मर्जी चाहे सो करेंगे।

यह कि लेख्यकारी को उपरोक्त वर्णित विक्रय सम्पत्ति में जो स्वामित्व वो अधिकार प्राप्त थी, वह सम्पूर्ण स्वामित्व वो अधिकार इस विक्रय पत्र के माध्यम से लेख्यधारी को प्राप्त हुआ। चाहिए कि लेख्यधारी नाम अपना ब शिरिस्ते जमीन्दारी बिहार सरकार या जहाँ-जहाँ ईन्द्राज नाम की जरूरत हो मुन्दर्ज कराकर ब अदाय मालगुजारी साल ब साल रसीद वो फारगख्ती बनाम खुद लेख्यधारी हासिल किया करेंगे। अब लेख्यकारी को किसी तरह का हक दावा तथा बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा।

यह कि लेख्यकारी ने लेख्यधारी को पूर्ण विश्वास वो भरोसा दिलाया है कि उपरोक्त जायदाद मु० खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पत्ति हर तरह के ऋणभार सरकारी और गैर-सरकारी वो अन्य व्यक्ति के हक हिसाब से मुक्त है। यदि बाद में पाया जायेगा जिसके वजह से खरीददार सम्पत्ति के सम्पूर्ण भाग से अथवा कुछ भी अंश से बेदखल हो जाये तो क्षति के अनुसार क्षति का रकम मय हर्जा खर्चा तथा एक रुपया सैकड़ा माहवारी सुद लगाकर सूद समेत कुल कीमत लेख्यकारी के चल तथा अचल सम्पत्ति से लेख्यधारी तथा उनके उत्तराधिकारी वसूल कर लेवेंगे। इसमें लेख्यकारी को कोई

बाकी मो० (क्या) का. जकी दाम

दि० २०१०



Endorsement of Certificate of Admissibility

Admissible under Rule 5 : duly stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No. 23. Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

Stamp duty paid under Indian Stamp Act	Rs.	3060	Amt. paid by N.J. Stamp Paper -	Rs. 1000				
Addl. Stamp duty paid under Municipal Act	Rs.	0	Amt. paid through Bank Challan -	Rs. 3451				
			LLR + Process Fee	Service Charge				
FEE PAID	Registration Fee							
A1	1020 C	0 H1b	0 Ka1	0 Lii	0	LLR	150	
A8	0 D	0 H2	0 K1b	0 Liii	0	Proc. Fee	25	160
A9	0 DD	0 I	0 K1c	0 Mb	0	Total-	175	
A10	0 E	0 J1	0 K2	0 Na	36			
B	0 H1a	0 J2	0 Li	0				
			TOTAL-		1056			

Total amount paid (Reg. fee+LLR, Proc+Service Charge) in Rs. 1391

Date : 05/08/2010

*Registering Officer
Muzaffarpur Sadar*

5-870

Endorsement under section 52

Presented for registration at Registration Office, Muzaffarpur Sadar on Thursday, 05th August 2010 by Manoj Kr. Singh s/o Shiv Sagar Singh by profession Business. Status - Claimant



Signature / L.T.I. of Presentant

Date : 05/08/2010

मनीज कुमार सिंह

Endorsement under section 58

*Registering Officer
Muzaffarpur Sadar*

5-870

Execution is admitted by those executants and identified by the person (identified by Jaki Hasan age Sex M son/daughter of Abdul Sakur Ansari resident of Mahmmadpur Bujurg Ps- Sakra, Muz..) whose names, photographs, fingerprints and signatures are affixed as such on back page / pages of the instrument.

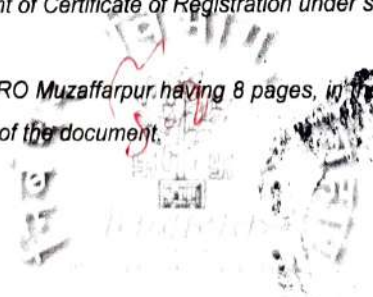
Date .

*Registering Officer
Muzaffarpur Sadar*

5-870

Endorsement of Certificate of Registration under section 60

Registered in Book 1 of DSRO/ SRO Muzaffarpur having 8 pages, in the volume CD-82 and document no. of which is printed on the First Page of the document.



Date : 05/08/2010

Date :

Token No. 22441 Year - 2010 Si.No. 22281
Token No. 22441 Year - 2010 Si.No.

SCORE Ver. 2.0
SCORE Ver. 2.0

*Registering Officer
Muzaffarpur Sadar*

Deed No. 20564 NIC Bihar
Deed No. NIC Bihar

म क क

1552

7-20754 521



बिहार BIHAR

9444

दिनांक 20/07/2010 को श्री/श्रीमती मो० रउफ

फाई F 481052

मोहम्मद रउफ वल्द हबीब अंसारी
 मरहुम, जाति मोमिन, पेशा कास्तकारी,
 निवासी ग्राम मोहम्मदपुर बुजुर्ग, प्रगना
 विसारा, एलाके थाना-सकरा, उप
 निबंधन कार्यालय सकरा, मुंसिफी एवं
 जिला- मुजफ्फरपुर, भारतीय।

बिहार सरकार

जिला निबंधन कार्यालय, मुजफ्फरपुर

दिनांक 20/07/2010 को श्री/श्रीमती मो० रउफ U-361

द्वारा यह दस्तावेज निबंधन हेतु उपस्थापित किया गया। इसमें रु० 1740/- मुद्रांक शुल्क एवं 911/-
 निबंधन तथा अन्य शुल्क का भुगतान किया गया। दस्तावेज ग्राह्य पाया गया। जिन लेखकारियों ने पर समक्ष इसका
 निष्पादन स्वीकार किया उनके तथा उनके पहचानकर्त्ता के नाम, फोटो, अंगुलियों के निशान एवं हस्ताक्षर मीले अंकित
 है। इसे दस्तावेज सं० 18992 के रूप में पुस्तक सं० 1 की जिल्द सं० 42 में अंकित किया गया।
 52 तक CD 75 में आज निबंधित एवं कुल 11 पृष्ठों में अंकित किया गया।

दिनांक 20/07/2010

521
534

ह० अशोक कुमार ठाकुर
निबंधन पदाधिकारी



मो० रउफ अंसारी प. 7875
 कवादा जिला व कार्यालयमका कब्र मकबर पादा
 व मजकीना व इकल मंगलप्रखिया

20/7/2010

[924]

20/7

20/7

कोषागार रउफ 20/7

Serial No :
Token No : 20754
Type & Status
of Party
In Favour of

Deed No :
of 2010
Name of Party

Photo Thumb Index Middle Ring Little

Manoj Kumar Singh
23/7/10
EHS-10



Presented by
Self

Signature of Party
Md. Rauf 24/6
EHS-10



स. ए. मनोज कुमार सिंह 20/7/10

Executed by

Signature of Party
Md. Rauf

मो 2343
20/7/2010

identifier

Signature of Party
Md. Sahur Ansari
EHS-10
Signature of Party



गो गो 2343 24/7
मो 2343

20-7-2010

2. आम लेख्यधारी :-

वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (Basundhara Teacher's Training College), जो नौर्य बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट (North Bihar Educational Trust) द्वारा संचालित है, द्वारा सचिव, श्री मनोज कुमार सिंह पिता श्री शिवसागर सिंह जीवित, जाति राजपुत, पेशा व्यापार, निवासी मुहल्ला अंगद अपार्टमेन्ट (404) जी०डी० मिश्रा पथ, न्यू पाटलीपुत्र (पटना), एलाके थाना पाटलीपुत्र, जिला-पटना, भारतीय।

महेश 11/05/20

20/7/2010



3. लेख्य प्रकार :-

निर्विवाद विक्रय पत्र।

4. भूमि का मूल्य :-

अंकेन मो० 29,000/- (अठ्ठास हजार रुपया मात्र) जिसका आधा मो० 14,500/- (चौदह हजार पांच सौ रुपया) होता है।

5. लेख्य सम्पति का विवरण:-

मवाजी 4.7875 डी० (चार दशमलव सात आठ सात पांच डी०) भूमि जो अन्तर्गत राजस्व ग्राम सिलौत विशुनपुर जयनारायण, प्राना विसाय, एलाके थाना मनियारी, निबंधन कार्यालय एवं मुंशिफी एवं जिला मुजफ्फरपुर अंदर पट्टी

21/5 110 2436
पिन 811 4918
पिन 8688 82 वृद्धा
थाना 24371
जिला मुजफ्फरपुर 2047-20/0

बिहार सरकार अंचल-कुदनी (तुर्की),
थाना नं०-442 (चार सौ बेयालिस),
भूमि का प्रकार आवासीय भूमि
खाली है, उस पर किसी प्रकार
का कोई निर्माण नहीं है।

खाता	खेसरा	रकवा	चौहद्दी
82	928मी०	0.7875डी.	30- नीज लेख्यधारी
बेरासी	नौ सौ	शुन्य दश०	द०- नीज लेख्यधारी
	अठईस	सात आठ	पू०- नीज लेख्यधारी वो
		सात पांच	मोहम्मद एकबाल
		डीसमल	प०- नीज लेख्यधारी

यानि साढ़े तीन धूर

87	922मी०	4 डी०	30- रघुनाथ मिश्र
सतासी	नौ सौ	चार डी०	द०- रघुनाथ मिश्र
	बाईस		पू०- नीज लेख्यधारी
			प०- बीबी सकिना

कुल मवाजी 4.7875डी० (चार दशमलव सात आठ सात पांच डी०) हस्ब चौहद्दी वाला बिक्री होता है।

लगान मय शेष मो० 1/- (एक) रूपया मात्र।

लेख्यसंदर्भ

विदित हो कि जायदाद मु० खाना सं०-5 लेख्यकारी के पिता के नाम से खरीद है। जो बजरिये खरीदगी दो कितात केवालेजात एके म०ता० 03.04.1986 ई० जिसका दस्तावेज नं०-6283, रजिस्ट्री मोकाम मुजफ्फरपुर नविस्ते श्री रामाशीष मिश्र पिता स्व० ठाकुर मिश्र बनाम मोहम्मद हबीब पिता मोहम्मद सब्दुल मियां पिता लेख्यकारी के नाम से खरीद है वो दिगरे केवाला म०ता० 16.01.1986 ई० जिसका दस्तावेज नं०-1064, रजिस्ट्री मोकाम

21/02/2010
20/07/2010

21/02/2010
पिता म० ठाकुर मिश्र
21/02/2010 - मोहम्मद हबीब
21/02/2010 - सकिना
21/02/2010 - मुजफ्फरपुर
20/07/2010

527

मुजफ्फरपुर नविस्ते प्रशुराम मिश्र पिता स्व० रामदेनी मिश्र बनाम मोहम्मद हबीब अन्सारी पिता मोहम्मद सब्दुल अन्सारी याने पिता लेख्यकारी के नाम से खरीद है, जो बाद ममात पिता लेख्यकारी के, बरुये बाँट बाखुदहा अज बेरादरान अपने से बाँट कर जायदाद मु०खाना नं०-5 बहिस्से वो बकब्जे खास लेख्यकारी के दर आया। जिस पर लेख्यकारी पूर्ण अधिकार से साथ कुल हक वो हकुक के काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल चलें आते हैं वो हैं।

महोदय
20/2/2010

यह कि लेख्यकारी को रुपयों की जरूरत वास्ते खरीदने दिगर जायदाद एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिये है। बिना उपरोक्त सम्पति को बिक्री किये रुपये का प्रबंध इस समय हो नहीं सकता है। इसलिए लेख्यकारी ने उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति को बिक्री करने का घोषणा किया वो कराया तो साथ लेख्यधारी से उपरोक्त सम्पति का मूल्य अंकेन मो० 29,000/- (उनतीस हजार रुपया) मूल्य में बिक्री का दाम तय पा गया। इससे ज्यादा मूल्य देकर और कोई अन्य खरीदार उपरोक्त सम्पति को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुये वो न है तो लेख्यकारी ने साथ लेख्यधारी के विक्रय पत्र निबंधन कर देने में अपने आप को लाभ समझा।

अतएव लेख्यकारी अपने मानसिक तथा शारीरिक स्वस्थ अवस्था में रहकर बिना किसी बाहरी अनुचित दबाव वो धमकाव के अपने हानि-लाभ को पूर्ण ज्ञान सहित सोंच विचारकर उपरोक्त खाना संख्या-5 की वर्णित सम्पति को अंकेन मो० 29,000/- (उनतीस हजार रुपया) मूल्य में साथ लेख्यधारी वसुन्धरा टिचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (Basundhara Teacher's Training College) जो नौर्य बिहार एजुकेशनल ट्रस्ट (North Bihar Educational Trust) द्वारा संचालित है, को बिना कोई शर्त के निर्विवाद विक्रय पत्र लिखा वो किया वो बेचा वो विक्रय पत्र का निष्पादन स्वीकार किया।

यह कि मूल्य का कुल रुपया अंकेन मो० 29,000/- (उनतीस हजार रुपया) लेख्यकारी ने लेख्यधारी से इस विक्रय पत्र

529

पर अपना सही बनाने के समय नगद वसूल पाया। अब एक पैसा भी लेख्यकारी का बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा। चाहिए कि लेख्यधारी आज की तारीख से उपरोक्त सम्पति पर काबिज दखिल वो मालिक मुस्तकिल होकर वो रहकर सम्पति को अपने जिस व्यवहार में चाहें लावेंगे या जो मर्जी चाहे सो करेंगे।

यह कि लेख्यकारी को उपरोक्त वर्णित विक्रय सम्पति में जो स्वामित्व वो अधिकार प्राप्त थी, वह सम्पूर्ण स्वामित्व वो अधिकार इस विक्रय पत्र के माध्यम से लेख्यधारी को प्राप्त हुआ। चाहिए कि लेख्यधारी नाम अपना ब शिरिस्ते जमीन्दारी बिहार सरकार या जहाँ-जहाँ ईन्द्राज नाम की जरूरत हो मुन्दर्ज कराकर ब अदाय मालगुजारी साल ब साल रसीद वो फारगखती बनाम खुद लेख्यधारी हासिल किया करेंगे। अब लेख्यकारी को किसी तरह का हक दावा तथा बाकी बकाया साथ खरीददार के नहीं रहा।

यह कि लेख्यकारी ने लेख्यधारी को पूर्ण विश्वास वो आरोसा दिलाया है कि उपरोक्त जायदाद मु0 खाना संख्या-5 की सम्पति हर तरह के ऋणभार सरकारी और गैर-सरकारी वो अन्य व्यक्ति के हक हिसाब से मुक्त है। यदि बाद में पाया जायेगा जिसके वजह से खरीददार सम्पति के सम्पूर्ण भाग से अथवा कुछ भी अंश से बेदखल हो जाये तो क्षति के अनुसार क्षति का रकम मय हर्जा खर्चा तथा एक रुपया सैकड़ा माहवारी सुद लगाकर सूद समेत कुल कीमत लेख्यकारी के चल तथा अचल सम्पति से लेख्यधारी तथा उनके उत्तराधिकारी वसूल कर लेंगे। इसमें लेख्यकारी को कोई आपत्ति नहीं है वो न भविष्य में कभी होगा।

यह कि लेख्यधारी के द्वारा क्रय की गयी भूमि उक्त संस्थान की खास सम्पति होगी तथा सिर्फ संस्थान के ही उपयोग एवं उपभोग में जायेगी। वो यह भी वाजे रहे कि अगर उपर्युक्त संस्थान किसी कारण वश बंद हो जाता है या उपर्युक्त संस्थान का मान्यता रद्द हो जाता है तो ऐसी परिस्थिति में ट्रस्ट द्वारा किसी दूसरे संस्थान का संचालन किया जा सकता है।

इस वास्ते यह निर्विवाद विक्रय पत्र लिख दिया कि समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे।

571

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज द्वारा अन्तरित भूमि खास, खास महाल, गैर मजरुआ आम, गैर मजरुआ खास, पर्चा से प्राप्त, भू-दान आदि से प्राप्त भूमि नहीं है अन्तरित भूमि मेरी निजि सम्पत्ति है जो पूर्णतया विधि मान्य है इसमें किसी भी प्रकार की गलती के लिये सजा का भागी मैं होउगा ।

सई ११०२३५५

20/7/2010

हस्ताक्षर लेख्यकारी

सई ११०२३५५

हस्ताक्षर लेख्यधारी

सई मनोज कुमार सिंह



सई मनोज कुमार सिंह



११० न० १११/०१

Scanned by [Signature]



प्रमाणित किया जाता है कि दस्तावेज में जिन व्यक्तियों का छाया चित्र संलग्न है उनके बाये हाथ के अंगुलियों का निशान मेरे सामने में लिया गया है। वो छायाचित्र मेरे द्वारा अभिप्रमाणित किया गया है।

कार्तिक - शशि भूषण शर्मा

लाईसेंस नं०- १११/०१

(शशि भूषण शर्मा)

दस्तावेज लेखक

लाईसेंस नं०-१११/०२

निबंधन कार्यालय मुजफ्फरपुर

तहरीर की तारीख- २० - ७ - २०१०

102 533

Endorsement of Certificate of Admissibility

Admissible under Rule 5 : duly stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No. 23. Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

Stamp duty paid under Indian Stamp Act	Rs.	1740	Amt. paid by N.J. Stamp Paper -	Rs. 1000					
Addl. Stamp duty paid under Municipal Act	Rs.	0	Amt. paid through Bank Challan -	Rs. 1651					
		Registration Fee	LLR + Process Fee	Service Charge					
FEE PAID	A1	580 C	0 H1b	0 Ka1	0 Lii	0	LLR	50	
	A8	0 D	0 H2	0 K1b	0 Liii	0	Proc. Fee	25	220
	A9	0 DD	0 I	0 K1c	0 Mb	0	Total-	75	
	A10	0 E	0 J1	0 K2	0 Na	36			
	B	0 H1a	0 J2	0 Li	0				
		TOTAL-				616			
Total amount paid (Reg. fee+LLR, Proc+Service Charge) in Rs.						911			
Date : 20/07/2010							Registering Officer Muzaffarpur Sadar		

Endorsement under section 52

Presented for registration at Registration Office, Muzaffarpur Sadar on Tuesday, 20th July 2010 by Md. Rauf s/o Habib Ansari by profession Agriculture. Status - Executant



Signature / L.T.I. of Presentant Date : 20/07/2010

Handwritten signature: मो० राउफ

Endorsement under section 58

20/7/10
Registering Officer
Muzaffarpur Sadar

Execution is admitted by those executants and identified by the person (identified by Md. Gaur Ansari age Sex M son/daughter of Habib Ansari resident of Mahmadpur Bujurg Ps-Sakra, Muz...) whose names, photographs, fingerprints and signatures are affixed as such on back page / pages of the instrument.

Date .

Endorsement of Certificate of Registration under section 60

20/7/10
Registering Officer
Muzaffarpur Sadar

Registered in Book 1 of DSRO/ SRO Muzaffarpur having 11 pages, in the volume CD-75 and document no. of which is printed on the First Page of the document.

Date : 20/07/2010

Date :

Token No. 20754 Year - 2010 SI.No. 20608

SCORE Ver. 2.0
SCORE Ver. 2.0

Registering Officer
Muzaffarpur Sadar
Deed No. 18992 NIC-Bihar
Deed No. NIC-Bihar

Handwritten signature in red ink.